आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 11.03.2025 समय : 1905

<><><><><><><><>

- केंद्र सरकार अगले तीन वर्षों में देश के हर जिले में डे केयर कैंसर सेंटर खोलेगी।
- भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबिक्स टीम की ओर से मरीना पार्क में कल और तेरह मार्च को एयर शो का आयोजन ।
- हैदराबाद में राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड की बैठक में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा की गई।
- श्री विजयपुरम स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में मधुमक्खी पालन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित।

<><><><><><><><>

केंद्र सरकार अगले तीन साल में देश के हर जिले में डे केयर कैंसर सेंटर खोलेगी। आज राज्यसभा में एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने कहा कि दो हजार पच्चीस–छब्बीस में दो सौ डे केयर कैंसर सेंटर खोले जाएंगे। हाल ही में आई एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए श्री नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत–पीएम जन आरोग्य योजना के क्रियान्वयन से कैंसर रोगियों का स्क्रीनिंग के तीस दिनों के भीतर उपचार शुरू हो जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत किफायती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए काम कर रही है।

<><><><><><><><>

भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबिक्स टीम कल और तेरह मार्च को मरीना पार्क में एयर शो का आयोजन करेगा। यह आयोजन दोपहर बाद साढ़े तीन बजे शुरू होगा, जिसमें पायलटों द्वारा आसमान में लूप्स, रोल्स और शानदार फॉरमेशन बनाए जाएंगे। सूर्य किरण की एरोबिक्स टीम ने आज केन्द्रीय विद्यालय नम्बर दो में स्कूली बच्चों और मीडिया कर्मियों से बातचीत की। इस अवसर पर स्कॉड्रन लीडर गौरव पटेल और स्कॉड्रन लीडर दिवाकर शर्मा मौजूद रहे। कार्यक्रम में स्कॉड्रन लीडर दिवाकर शर्मा ने कहा कि स्कैट का उद्देश्य देश की सैन्य ताकत दिखाकर युवाओं को प्रेरित करना है।

उन्होंने द्वीपसमूह के लोगों को इस कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया।

यह कार्यक्रम निःशुल्क है और सभी के लिए खुला रहेगा।

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के शासी निकाय के सदस्य एस यू महेश्वर राव ने हैदराबाद में राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड की ग्यारहवीं शासी निकाय बैठक में भाग लिया। इस बैठक में केंद्रीय मत्स्य मंत्री राजीव रंजन, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री एस पी सिंह बघेल ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के कार्यान्वयन की समीक्षा की। इसके अलावा द्वीपसमूह में मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख पहलों पर चर्चा की गई। चर्चा के दौरान, एस यू महेश्वर राव ने द्वीपसमूह की टूना मछली पकड़ने की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने गहरे समुद्र में टूना लॉन्गलाइनर शुरू करने और गहरे समुद्र में टूना मछली पकड़ने के लिए मौजूदा मछली पकड़ने वाले जहाजों के रूपांतरण को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस पहल का उद्देश्य बड़े पैमाने पर मत्स्य पालन में स्थानीय मछुआरों की भागीदारी को बढ़ाना और नए आर्थिक अवसर पैदा करना है। एस.यू. महेश्वर राव ने समूह दुर्घटना बीमा योजना के तहत लंबित दावों के शीघ्र समाधान का आह्वान किया। नीति आयोग के सदस्य प्रोफेसर डॉ. रमेश चंद ने फसल कटाई के बाद प्रबंधन के लिए द्वीपसमूह में आधुनिक विपणन सुविधाओं के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड ने मछली पकड़ने वाली नौकाओं और आवश्यक मछली पकड़ने के उपकरणों के प्रतिस्थापन के लिए सब्सिडी प्रदान करके छोटे पैमाने के पारंपरिक मछुआरों का समर्थन करने के लिए विशेष योजना को मंजूरी दी है। इस पहल में मछली पकड़ने वाली नावें, जाल, गियर, लाइफ जैकेट, लाइफ बॉय, संचार उपकरण, मछली पकड़ने के बक्से और अन्य महत्वपूर्ण सुरक्षा और परिचालन उपकरण शामिल हैं, जो पारंपरिक मछुआरों के लिए बढ़ी हुई दक्षता, सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करते हैं।

<><><><><><><><>

सिप्पीघाट स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में मधुमक्खी पालन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम लखनऊ के राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान द्वारा श्री विजयपुरम के केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान के सहयोग से आयोजित किया गया। इसमें कुल बत्तीस किसानों और दक्षिण अंडमान के तीन ब्लॉकों से ग्यारह स्व–प्रेरित किसानों ने भाग लिया। इस अवसर पर क्यारी के निदेशक डॉ. ई.बी. चाकुरकर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने द्वीपसमूह में शहद उत्पादन बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। प्रशिक्षण में मधुमक्खी पालन के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। कार्यक्रम में प्रधान वैज्ञानिक डॉ. वाई. रामकृष्ण ने मधुमक्खी पालन तकनीक और कॉलोनी प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। अन्य वक्ताओं ने भी मधुमक्खी पालन से संबंधित विषय पर किसानों को जानकारी प्रदान की। समापन समारोह के दौरान कृषि सचिव पल्लवी सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। इस अवसर पर श्री विजयपुरम के कृषि विभाग और लखनऊ के राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान के बीच एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

<><><><><><><><>

स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की ओर से राष्ट्रीय परिवार कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत, अनिम्स और यूटी स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हटबे में सत्रह मार्च को परिवार नियोजन नसबंदी का आयोजन किया जाएगा। नसबंदी टीम का नेतृत्व अनिम्स के प्रोफेसर डॉ. एम.के. साहा करेंगे। नसबंदी ऑपरेशन के लिए इच्छुक दंपत्ति से स्क्रीनिंग के लिए अपना नाम प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हटबे और आर के पुर के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के पास पंजीकृत कराने को कहा गया है।

<><><><><><><><>

अट्टम पहाड स्थित समाज कल्याण विभाग के बालिका निकेतन में आपदा प्रबंधन निदेशालय के सहयोग से बनावटी अभ्यास का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल में बालिका निकेतन के उन्नीस बच्चों, दस वरिष्ठ नागरिकों और सत्रह कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आपदा प्रबंधन, पुलिस, अग्निशमन, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य के अधिकारियों ने मॉक ड्रिल की सभी गतिविधियों का अवलोकन किया।

<><><><><><><><>